

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1980

सं० 80-प्रेज/80—राष्ट्रपति उड़ीसा पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री श्रीकान्त कुमार मिश्र,
पुलिस उप-निरीक्षक,
राउरकेला,
उड़ीसा ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया।

19 जनवरी, 1979 की प्रातः पुलिस उप-निरीक्षक श्रीकान्त कुमार मिश्र का सूचना मिली कि एक कुख्यात अपराधी एम० एम० रे अपने गिरोंह के साथ सैक्टर-18, राउरकेला नगर पुलिस स्टेशन, के पास घूम रहा है। यद्यपि वे उस समय अकेले थे, किन्तु शीघ्र ही उस स्थान की ओर बढ़े, जहां अपराधी के उपस्थित होने की सूचना थी। उन्होंने इसकी प्लाट साइट घाने के निरीक्षक को सूचना भेज दी। वे अपराधियों का पीछा करने लगे, जिन्हें पुलिस के पहुंचने का आभास हो गया था और वे बुर्गपुर पहाड़ियों की ओर भागने लगे। उन्होंने गिरोंह के नेता का पीछा जारी रखा। अब वे अपराधी के काफी निकट पहुंचे तो अपराधी ने अपनी भरी हुई बैग पिस्तौल निकाल ली और उसे उप-निरीक्षक की ओर ताना और उन्हें जान से मार डालने की धमकी दी। श्री मिश्र भरी हुई पिस्तौल का परवाह न करते हुए अपराधी को पकड़ने के लिये आगे बढ़े। उप-निरीक्षक के दृढ़ निश्चय को देखकर अपराधी अपना होमला छोड़ बैठा और उसने एक पहाड़ी नाले में छलांग लगा दी। श्री मिश्र ने भी नाले में छलांग लगा दी। अपराधी ने फिर अपना पिस्तौल उप-निरीक्षक की ओर ताना परन्तु उप-निरीक्षक ने उसका हाथ कम कर पकड़ लिया और नाले में जिनमें कमर तक गहरा पानी था, उन दोनों में हाथापाई हुई। अपराधी बच निकलने का प्रयत्न कर रहा था और उप-निरीक्षक की सहन-शक्ति क्षीण होती जा रही थी। इस बीच पुलिस कुमुक पहुंची। पुलिस निरीक्षक अपनी 12 बोर की बन्दूक महिल नाले के पास पहुंचे और उसे अपराधी की ओर तानते हुए आत्मसमर्पण करने को कहा। अपराधी ने अपनी पिस्तौल फेंक दी और पुलिस को आत्म समर्पण कर दिया।

इस कार्रवाई में श्री श्रीकान्त कुमार मिश्र ने उत्कृष्ट वीरता, अद्वितीय साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 19 जनवरी, 1979 से दिया जाएगा।

सं० 81-प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद :

श्री वाजिद अली खां,
पुलिस निरीक्षक,

याता बन्ना देवी,
जिला प्रसीकृत,
उत्तर प्रदेश ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

24 सितम्बर, 1979 की शाम लगभग 5 बजे पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि ताहिर नामक एक कुख्यात तथा घोर अपराधी, जिसने कई घृणित अपराध किये थे, के द्वारा मोहल्ला नई बस्ती में गड़बड़ करने की संभावना है। श्री वाजिद अली खां, पुलिस निरीक्षक, शीघ्र ही नई बस्ती की ओर रवाना हुए। 5 बजकर 15 मिनट पर उन्होंने ताहिर को नई बस्ती के पास एक साइकिल पर जाता हुआ देखा। परन्तु वह बचने के लिये एक गली में मुड़ गया। श्री वाजिद अली खां ने गली में उसका पीछा किया परन्तु अपराधी ने अपनी बैग .303 पिस्तौल से निरीक्षक पर गोली चला दी। श्री वाजिद अली खां निर्भीक रहे और उन्होंने अपराधी को बग में करके उसे जमीन पर पटक दिया और उसके हाथ से पिस्तौल छीन लिया। इस बीच अपराधी ने बुपके से अपनी सलवार के नीचे से छुरा निकाला और उसे वाजिद अली खां की छाती में धाई और धोंप दिया। श्री वाजिद अली खां ने अपनी घोट की परवाह न करते हुए अपराधी से छुरे को छीनने के लिये हाथापाई की। परन्तु अपराधी ने श्री वाजिद अली खां की पीठ पर दूसरा प्रहार किया। समझाए एवं लगानार खून के बहने से श्री वाजिद अली खां विचलित नहीं हुए और कुमुक पहुंचने तक उन्होंने अपराधी को नीचे दबाए रखा।

इस कार्रवाई में श्री वाजिद अली खां ने उत्कृष्ट वीरता, अद्वितीय साहस, पहलुशक्ति, नेतृत्व एवं उच्च कोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 सितम्बर, 1979 से दिया जाएगा।

दिनांक 14 अक्टूबर 1980

सं० 82-प्रेज/80—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री शरीफ-उल हसन,
पुलिस उप-निरीक्षक,
सिविल पुलिस
गोरखपुर,
उत्तर प्रदेश ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

5 जनवरी, 1979 को कुख्यात डाकू शहीरत भार के गिरोंह न गांव बरगढ़ी के फागू नामक एक व्यक्ति के घर पर

छापा मारा जिस पर पुलिस का मुखबिर होने का संदेह था। ग्रामवासियों ने कड़ा मुकाबला किया और डाकुओं को भागना पड़ा।

8 जनवरी, 1979 को पुलिस को विश्वस्त सूचना मिली कि कुख्यात डाकू शरीफत 5 जनवरी, 1979 को किए गए अपने अपमान का ग्रामवासियों को सबक सिखाने के लिए पुनः गांव में छापा मारने की योजना बना रहे हैं। श्री शरीफउल हसन, पुलिस उप निरीक्षक ने थाने में उपलब्ध पुलिस से एक छापामार दल गठित किया और एक टुकड़ी गांव को जाने वाली सड़क पर तैनात की। उन्होंने स्वयं पुलिस दल का नेतृत्व किया और सड़क से लगे एक खेत में मोर्चा संभाला। राति के लगभग 10 बज कर 30 मिनट पर 6-7 सशस्त्र व्यक्ति गांव की ओर बढ़ते हुए दिखाई दिए। जब वे घात लगाये हुए पुलिस दल की गोली की मार के अन्दर पहुंचे तो श्री शरीफ-उल हसन ने डाकुओं को आह्वान करने के लिए चिल्ला दी, परन्तु डाकुओं ने पुलिस दल पर गोली चला दी जिसके परिणामस्वरूप श्री शरीफ-उल हसन के दाए हाथ, मंगली लगी। शोट लगने के बावजूद भी डाकुओं के साथ संघर्ष करते रहे और डाकुओं पर गोली चलाते रहने के लिए अपने आर्म्बियों को उत्साहित करते रहे। कुछ समय बाद गोलीबारी बन्द हो गई और आगे बढ़ते पर श्री शरीफ-उल हसन ने देखा कि मकानबल में चार डाकू मारे जा चुके हैं।

इस मठभट्ट में श्री शरीफ-उल हसन ने उत्कृष्ट वीरता, नेतृत्व, वायण्ट साहस एवं उच्च कोटि का कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पालस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 8 जनवरी, 1979 से दिया जाएगा।

मु० नीलकण्ठन
राष्ट्रपति का उप-सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

(कम्पनी विधि बोर्ड)

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 अक्तूबर 1980

आदेश

सं० 27(26)/80-सी० एल०-2--कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 क की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के निरीक्षण अधिकारी श्री एस० एन० गुप्ता को कथित धारा 209 के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करती है।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एस० एन० गुप्ता के पक्ष में सहायक निरीक्षण अधिकारी आनंदपुर के रूप में, दिनांक 12 जुलाई, 1976 के आदेश सं० 27(26)/76-सी० एल०-2 के अनुसार पत्रों के प्रेषित प्राधिकरण को निरस्त करती है।

गृहि-पत्र

सं० 27(26)80-सी० एल०-2--इस कार्यालय के इसी संख्या के दिनांक 11 सितम्बर, 1980 के आदेश में, क्रम संख्या 1 पर श्री पी० गोपाल-कुण्डान का पद नाम, "वरिष्ठ, लेखा अधिकारी" के स्थान पर "वरिष्ठ लागत लेखा अधिकारी" पड़िए।

मु० बलरामन, अवर सचिव

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-110 016, दिनांक 1 अक्तूबर 1980

सं० एफ० 1(14)/76-एम० आर०-I--नेशनल रिमर्च डिवेलपमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया (1956 के कंपनी अधिनियम के अधीन एक पंजीकृत कंपनी) के अंतर्नियमों के नियम 89 के अनुसरण में राष्ट्रपति 1 अक्तूबर, 1980 से तीन वर्ष की अवधि के लिए निम्नलिखित निदेशकों को कारपोरेशन के निदेशक मण्डल में नियुक्त करते हैं:--

क्रम सं०	नाम और पता
1.	श्री पी० के० रामानुजम, संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।
2.	डा० के० बी० स्वामीनाथन, निदेशक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली। डा० जी० त्यागराजन, निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला (सी० एम० आई० आर०) जोरहाट।
4.	डा० पी० एम० अण्णाचलम, निदेशक, डिफेंस मेटालर्जिकल रिसर्च लेबोरेटरी, हैदराबाद।
5.	श्री लवराज कुमार, अध्यक्ष, बी० आई० सी० पी०

2. अंशकालिक अध्यक्ष और मण्डल के अन्य निदेशकों की नियुक्ति की अधिसूचना बाद में जारी की जाएगी।

पी० के० रामानुजम, संयुक्त सचिव-
एवं वित्तीय सलाहकार

समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 अक्तूबर 1980

संकल्प

सं० 1-26/79-सी० एम० डब्ल्यू० बी०--भारत सरकार, श्रीमती सुशीला रोहतगी की श्रीमती सीला एम० मूलगावकर के स्थान पर समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है। श्रीमती रोहतगी ने 10 सितम्बर, 1980 के अन्तराल को अध्यक्ष के पद का कार्यभार संभाल लिया।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को एक-एक प्रतिलिपि निम्नलिखित का भेजा जाए:--

आदेश

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सब सदस्य।
2. सब राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेश प्रशासन।
3. भारत सरकार के सब मंत्रालय/विभाग।

4. राष्ट्रपति सचिवालय ।
5. मंत्रिमंडल सचिवालय ।
6. प्रधान मंत्री कार्यालय ।
7. योजना आयोग ।
8. लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय ।
9. पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली ।
10. महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ।
11. कम्पनी कार्य विभाग ।
12. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, नई दिल्ली ।
13. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड कानपुर ।
14. कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली ।
15. राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के सब अध्यक्ष ।
16. समाज कल्याण मंत्री/सचिव/संयुक्त सचिव (एस० एस० डी०) के निजी सचिव ।
17. राज्य/संघ शासित प्रदेशों के राज्यपालों/प्रशासकों/उपराज्यपालों/मुख्यायुक्तों के निजी सचिव ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को साधारण जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

बी० एन० बहादुर, निदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1980

संकल्प

सं० हिन्दी/समिति/80/38/1--रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के दिनांक 12-9-80 के संकल्प सं० हिन्दी/समिति/80/38/1 के अन्तर्गत निम्नलिखित को रेल मंत्रालय के अधीन गठित रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति का संकल्प नामित किया जाता है :--

1. रेल उपमंत्री
2. सचिव, रेलवे बोर्ड

2. रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति के वर्तमान उपाध्यक्ष रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री समिति के बरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा रेल उप मंत्री समिति के उपाध्यक्ष होंगे ।

आवेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति [प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों] को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

एन० पद्मनाभन, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 9th October 1980

No. 80-Pres./80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Orissa Police :—

Name and Rank of the Officer :

Shri Srikanta Kumar Mishra,
Sub-Inspector of Police,
Rourkela,
Orissa.

Statement of Services for which the Decoration has been Awarded

On the morning of the 19th January, 1979, Shri Srikanta Kumar Mishra, Sub-Inspector of Police, received information that S. S. Ray, a notorious criminal and his gang were moving near Sector-18 under township Police Station of Rourkela. Although he was alone at that time, but he immediately proceeded to the place where the criminal was reported to be present. He, however, sent information to the Inspector, Plant site Police Station. He started shadowing the criminals who also sensed the arrival of the police and started deflecting towards Durgapur hills. He kept on following the leader of the gang and when he came in close proximity of the criminal, the latter took out his loaded country-made pistol and pointed it towards the Sub-Inspector and threatened to kill him. In disregard of the loaded pistol, Shri Mishra came forward to apprehend the criminal. On seeing the determination of the Sub-Inspector, the criminal lost his nerve and jumped into a rocky Nala. Shri Mishra also followed him in the Nala. The criminal again pointed his pistol towards the Sub-Inspector but the latter grabbed his arm and hand to hand fight ensued in the Nala in waist deep water. The criminal was making frantic efforts to escape and the stamina of the Sub-Inspector was ebbing out. In the meantime, the Police reinforcement arrived, the Inspector armed with a 12 bore gun reached the Nala and pointed his gun at the criminal and asked him to surrender. The criminal then threw his pistol and surrendered to the police.

In this action Shri Srikanta Kumar Mishra exhibited conspicuous bravery, exceptional courage and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and conse-

quently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th January, 1979.

No. 81-Pres./80.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and Rank of the Officer :

Shri Wajid Ali Khan,
Inspector of Police,
Police Station Banna Devi,
District Aligarh,
Uttar Pradesh.

Statement of Services for which the Decoration has been Awarded

On 24th September, 1979, at about 1700 hours, reliable information was received by police that Tahir, a hardened and desperate criminal of Aligarh, who had committed a number of gruesome crimes was likely to create trouble in Mohalla Nai Basti. Shri Wajid Ali Khan, Inspector of Police, immediately rushed to the Nai Basti and at 17.15 hours, he noticed Tahir riding a bicycle near Nai Basti. Shri Khan asked him to stop who, however, turned in a by-lane in order to escape. Shri Wajid Ali Khan chased him in the by-lane but the criminal fired at the Inspector with his country-made .303 pistol. Shri Wajid Ali Khan remained undeterred, overtook the criminal and threw him on the ground and snatched the pistol from his hand. In the meantime the criminal stealthily took out his dagger from under his trousers and stabbed Shri Wajid Ali Khan on the right side of his chest. In disregard of the injury received by him, Shri Wajid Ali Khan grappled with the criminal to snatch his dagger. The criminal, however, gave another blow to Shri Wajid Ali Khan remained undeterred and kept the criminal pinned down till the arrival of the reinforcement.

In this action Shri Wajid Ali Khan exhibited conspicuous gallantry, exemplary courage, initiative, leadership and devotion to duty of a very high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th September, 1979.

The 14th October 1980

No. 82-Pres./80.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and Rank of the Officer :

Shri Shariful Hasan,
Sub-Inspector of Police,
Civil Police,
Gorakhpur,
Uttar Pradesh.

Statement of Services for which the Decoration has been Awarded

On the 5th January, 1979, the notorious dacoit gang of Shohrat Bhar raided the house of one Phagu of village Bargadhi who was suspected to be a police informer. The villagers put up stiff resistance and the dacoits gang was forced to flee.

On the 8th January, 1979, the police received reliable information that the notorious dacoit Shohrat was planning to raid the village again in order to teach a lesson to the villagers for the humiliation suffered by him in his retreat on 5th January, 1979. Shri Shariful Hasan, Sub-Inspector of Police organised a raiding party with the police force available at the police station and posted a picket on the road leading to the village. He himself led the police party and took up position in a field adjoining the road. At about 22.30 hours, 6-7 armed men were seen advancing towards village Bargadhi. When they came within striking range of the police party, who were lying in ambush, Shri Shariful Hasan challenged the dacoits to surrender but the dacoits fired on the police party as a result of which Shri Shariful Hasan was hit on his right hand. Despite the injury he continued to fight with the dacoits and also kept on encouraging his men to keep on firing at the dacoits. After sometime, there was a lull and on advancing further, Shri Shariful Hasan found that four dacoits had been killed in the encounter.

In this encounter, Shri Shariful Hasan exhibited conspicuous gallantry, leadership, exceptional courage and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 8th January, 1979.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy.
to the President

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi, the 1st October 1980

ORDER

No. 27/26/80-CL. II.—In pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of Section 209A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby authorises Shri S. N. Gupta, Inspecting Officer, in the Department of Company Affairs for the purposes of the said Section 209A.

2. The Central Government hereby revokes the earlier authorisation issued in favour of Shri S. N. Gupta, as Assistant Inspecting Officer, Kanpur vide Order No. 27/5/76-CL. II dated 12th July, 1976.

CORRIGENDUM

No. 27(26)80-CL-II.—In this Office Order of even No. dated the 11th September, 1980, the designation of Shri V. Gopalakrishnan at Sl. No. 1 may be read as "Senior Cost Accounts Officer" instead of Senior Accounts Officer.

S. BALARAMAN, Under Secy.

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

New Delhi-110016, the 1st October 1980

No. F. 1(14)/76-SRI.—In pursuance of Article 89 of the Articles of Association of the National Research Development Corporation of India (A company registered under the Com-

panies Act, 1956), the President is pleased to appoint the following Directors on the Board of Directors of the Corporation for a period of three years w.e.f. the 1st October, 1980.

Sl. No., Name & Address

1. Shri P. K. Ramanujam,
Joint Secretary and Financial Adviser,
Department of Science & Technology,
New Delhi.
2. Dr. K. V. Swaminathan,
Director,
Department of Science & Technology,
New Delhi.
3. Dr. G. Thiagarajan,
Director,
Regional Research Laboratory (CSIR),
Jorhat.
4. Dr. V. S. Arunachalam,
Director,
Defence Metallurgical Research Laboratory,
Hyderabad.
5. Shri Lavraj Kumar,
Chairman, BICP.

2. The appoint of Part-time Chairman and other Directors on the Board will be notified separately.

P. K. RAMANUJAM, Jt. Secy.
& Financial Adviser

MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 1st October 1980

RESOLUTION

No. F. 1-26/79-CSWB.—The Government of India is pleased to appoint Smt. Sushila Rohatgi as Chairman of the Central Social Welfare Board (Company) vice Smt. Leela S. Moolgaokar. Smt. Rohatgi assumed charge of the office of the Chairman on the afternoon of 10 September 1980.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to :—

1. All the Members of the CSWB.
2. All the State Governments/UTs.
3. All the Ministries/Departments of the Govt. of India.
4. President's Secretariat.
5. Cabinet Secretariat.
6. Prime Minister's Office.
7. Planning Commission.
8. Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariats.
9. PIB.
10. AGCR, New Delhi.
11. Department of Company Affairs.
12. Registrar of Companies, New Delhi.
13. Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
14. Executive Director, CSWB, New Delhi.
15. All Chairman, State Social Welfare/Advisory Boards.
16. PSs to Minister of Social Welfare/Secy/JS (SSD).
17. PSs to Governors/Administrators/Lt. Governors/Chief Commissioners of all State/UT Administrations.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. N. BAHADUR, Director (SD)

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 29th September 1980

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/80/38/1.—In continuation of Ministry of Railways (Railway Board) resolution No. Hindi/Samiti/80/38/1 dated 12-9-80, following are nominated as Members of Railway Hindi Salahakar Samiti constituted under Ministry of Railways :—

1. Deputy Minister for Railways.
2. Secretary, Railway Board.

2. The present Vice-Chairman of the Railway Hindi Salahakar Samiti, the Minister of State in the Ministry of Railways will henceforth act as Senior Vice-Chairman of the Samiti and the Deputy Minister for Railways will be its Vice-Chairman.

ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectts. and Ministries and Departments of Govt. of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. PADMANABHAN, Jt. Secy.

